

‘श्री विश्वाभवाप नाईक भहकारी झाक्खर काक्खाना लि.

(‘श्री . पि. ना. झ. झा.का. लि.)

**मु.पो.१ यशवंतनगर , ता.१ शिवाळा, जि.१ःकांगली महाराष्ट्र भाज्य
यांच्या**

**क्षेत्राच्या ३० किलो लिटक प्रति दिन क्षमतेच्या मोलॅक्षिक्षणक आधारीत आभवनी प्रकल्पाचे
६० किलो लिटक प्रति दिन पर्यंत विक्ताशीकरण प्रकल्प कंदभातील इन्हायकमेंट
इंपॅक्ट आक्षेक्षमेंट आवालाचा झाक्खांश**

१) प्रकल्पविषयी थोडक्यात :-

**‘श्री विश्वाभवाप नाईक भहकारी झाक्खर काक्खाना लि. (‘श्री . पि. ना. झ. झा.का.
लि.)यांनी त्यांच्या क्षेत्राच्या मोलॅक्षिक्षणक आधारीत ३० किलो लिटक प्रति दिन क्षमतेच्या
आभवनी (डिक्टलकी) प्रकल्पाचे ६० किलो लिटक प्रति दिन पर्यंत (३० किलो लिटक प्रति
दिन क्षमतेने) विक्ताशीकरण करणेचे नियोजिले आहे. झाक्खर विक्ताशीकरण प्रकल्प
VNSSL च्या क्षेत्राच्या ४५०० टि. की. डी. झाक्खर य १५ MW झहवीज प्रकल्प
आवाशातील गट क. १६२, १७५, १८२, १८३, १८९, २२३ आणि २२४, मु.पो.१ यशवंतनगर ,
ता.१ शिवाळा, जि.१ःकांगली महाराष्ट्र येथे उभारण्यात येणाक आहे.**

हा प्रकल्प आवाल घने, पर्यावरण य हवामान अद्दल मंत्रालय, नवी दिल्ली यांच्या
दि.१४.०९.२००६ दोजीच्या इन्हायकमेंटल इंपॅक्ट आक्षेक्षमेंट(EIA)नोटीफिकेशन
नं. S.O.1533 (E)य त्यानंतरील अद्दल यानुभाब तयाक केला आहे. जंडेश्वर शुगाक
मिलक प्रा. लि. यांचे झाक्खर प्रकल्प ५ (g) या कॅटॅग्रीमध्ये येतो.यानुभाब, घने, पर्या
वरण य हवामान अद्दल मंत्रालय, नवी दिल्ली यांच्याकडे फॉर्म १ डॉप्लिकेशन जमा केले
आहे य दि. १६.१०.२०१७ दोजी कॅटॅर्ड ToR's मंजुक झाले आहेत. घने, पर्यावरण य
हवामान अद्दल मंत्रालयातर्फे इन्हायकमेंटल इंपॅक्ट आक्षेक्षमेंट(EIA) नोटीफिकेशन
नं. S.O.1533 (E) मध्ये दि.१३.०६.२०१९ दोजीच्या नोटीफिकेशन नं. S.O.1960(E) घाके
केलेल्या अद्दलानुभाब झाक्खर प्रकल्पांची श्रेणी ‘अ’ होत आहे.

**क्षेत्राच्या ३० किलो लिटक प्रति दिन क्षमतेच्या आभवनी प्रकल्पाभाठी क्षुमाके रु.१५.०५
कोटी इतकी भांडवली गुंतवणूक केली आहे आणि प्रक्तापित विक्ताशीकरण प्रकल्पांतर्गत
क्षुमाके रु.४२.८८ कोटी इतकी भांडवली गुंतवणूक केली जाणाक आहे.**

२) प्रकल्पाची जागा :

**‘श्री. पि. ना. झ. झा.का. लि. यांच्या मोलॅक्षिक्षणक आधारीत आभवनी प्रकल्पाचे
विक्ताशीकरण हे गट १६२ १७५ १८२ १८३ १८९ २२३ आणि २२४ मु.पो.१ यशवंतनगर ,
ता.१ शिवाळा, जि.१ःकांगली येथील क्षेत्राच्या झाक्खर, झहवीज आणि आभवनी प्रकल्प
आवाशात करणेत येणाक आहे. श्री विश्वाभवाप नाईक भहकारी झाक्खर काक्खाना
लि. यांनी प्रकल्पाभाठी एकूण ५,२५,२८० वर्ग मी. (५२.५२ हे.) इतके क्षेत्र झंपाढित
केले आहे. झाक्खर काक्खाना आभवनी आणि झहवीज प्रकल्पांतर्गत
(विक्ताशीकरणानंतर) एकूण आंधकाम क्षेत्र ६४,३८३.१५ वर्ग.मी. आक्षेल.या प्रक्तापित**

पिक्ताशीकरण प्रकल्पाभाठी ग्रामवंचायत घिक्खली यांचेकडून ना हक्कत ढाक्खला मिळाला आहे.

तक्ता क्र. १ पिपिध पिभागांच्या क्षेत्राचा तपशील

| अनु.क्र | तपशील | क्षेत्र (घर्ग.मी) |
|---------|--|-------------------|
| आ | आंधकाम क्षेत्र | |
| १ | भैद्याचा भाक्खक काक्खाना व भहवीज प्रकल्प | २५२०७.८ |
| २ | भैद्याचा आक्षयनी प्रकल्प | ३७२९४.११ |
| ३ | प्रक्तापित आक्षयनी प्रकल्प | १८८१.२४ |
| | एकूण आंधकाम क्षेत्र (१+२+३) | ६४३८३.१५ |
| आ | भैद्याचा हक्कित पट्टा क्षेत्र (एकूण क्षेत्राच्या ४२%) | २२४००० |
| क | ब्युले क्षेत्र | २३६८९६.८ |
| | एकूण क्षेत्र (आ+आ+क) | ५२५२८० |

प्रक्तापित प्रकल्पाच्या जागेच्या आक्षेक्खन नकाशाभाठी ड्राफ्ट ई.आय.ए.मधील(प्लॉट ले आक्ट प्लॉन) आर्पेंडिक्शन - आ पहा.

३) प्रकल्प प्रवर्तकांची ओळख :-

कंषेधित प्रकल्प प्रवर्तकांना मोलॉकिक्षयक आधारीत आक्षयनी प्रकल्पाचे नियोजन व उभारणी या क्षेत्रातील अनुभव आहे. त्यांनी प्रकल्प नियोजनाच्या व अंमलषजावणीच्या येळापत्रकाचा भक्खोल अभ्यास केला आहे. प्रकल्प प्रवर्तकांचे नाव व हुद्धा खालीलप्रमाणे

तक्ता क्र. २ प्रवर्तकांचे नाव व हुद्धा

| अनु.क्र. | प्रवर्तकाचे नाव | हुद्धा |
|----------|----------------------------|----------------------|
| १ | श्री. मानकिंगशाव फ.नाईक | चेत्तारमन |
| २ | श्री. आषाक्षाहेष य. पाटील | णहाईक चेत्तारमन |
| ३ | श्री. मानकिंगशाव हं. पाटील | कंचालक |
| ४ | श्री. दिनकरशाव ढौ. पाटील | कंचालक |
| ५ | श्री. सुरेश पां. पाटील | कंचालक |
| ६ | श्री. आषाक्षाहेष ढ.पवार | कार्यकारी व्यवस्थापक |

४) उत्पादनापिषदी माहिती:-

भैद्याच्या व प्रक्तापित मोलॉकिक्षयक आधारीत आक्षयनी प्रकल्पामधील उत्पादने व जोड उत्पादने यांष्ट्रलची माहिती तक्ता क्रं ३ मध्ये दिली आहे.

तक्ता क. ३ प्रकल्पामधील एकत्रित उत्पादने व जोड उत्पादने

| प्रकल्प | उत्पादने | क्षमता | |
|--|--|-----------------------|-------------------|
| | | क्षमता वाढवाची क्षमता | एकूण |
| आक्षयनी (६० कि.लि./दिन) | बेकटीफार्झर्ड क्रिप्रिट / एकट्रा न्यूट्रल अल्कोहोल | ३०कि.लि. / दिन | ६० कि.लि. / दिन |
| आक्षयक काश्वाना (४५०० टि.क्सी.डी.) | ओषधी इर्जचे अल्कोहोल\$ / | -- | ६० कि.लि. / दिन |
| | इथेनॉल\$ | २० कि.लि. / दिन | ६० कि.लि. / दिन |
| | जोड उत्पादने | | |
| | फ्युजल आर्फ्ल | ०.०५ कि.लि. / दिन | ०.१ कि.लि. / दिन |
| | CO ₂ | २३ मे.टन/ दिन | ४६मे.टन/ दिन |
| आक्षयक काश्वाना (४५०० टि.क्सी.डी.) | आक्षयक (१२.५%)* | १६८७२ मे.टन/महिना | १६८७२ मे.टन/महिना |
| आक्षयक काश्वाना (४५०० टि.क्सी.डी.) | छर्गऱ्या (३०%)* | ४०५००मे.टन/महिना | ४०५००मे.टन/महिना |
| | प्रेक्षमठ(४%)* | ५४०० मे.टन/महिना | ५४०० मे.टन/महिना |
| | मोलॉकिक्ष (४%)* | ५४०० मे.टन/महिना | ५४०० मे.टन/महिना |
| झहणीज (१५मेगा वॅट) | वीज | १५मेगा वॅट | १५मेगा वॅट |

टिप : \$ - इथेनॉल व ओषधी इर्जचे अल्कोहोल श्री. पि. ना. क्ष. का. काश्वान्यातील बेकटीफार्झर्ड क्रिप्रिट तक्षेच आहेकील काश्वान्यातील बेकटीफार्झर्ड क्रिप्रिटपाखून तयाक केले जार्फ्ल.याकाठी MPCB कडून क्षणतंत्र कंकेंट घेतले जार्फ्ल.

* - डक्स गाळपाच्या टक्केवरी (%)

उत्पादन प्रक्रिया आणि त्यांचा प्रणाह तक्ता यांचे पिश्लेषण EIA रिपोर्ट च्या प्रकरण क.
२ मध्ये दिले आहे.

५) प्रकल्पाचे डिस्ट्रिब्युटर

- आक्षयक उत्पादने हा फेशातील दुक्कशा अर्थात मोठा शेती आधारित उत्पादने आहे.
- छर्गऱ्या आधारित झहणीज प्रकल्पाङ्कारे पिजेची आवश्यकता पूर्ण होर्फ्ल तक्षेच आधिशेष पॉवरगिडमध्ये निर्यात केला जार्फ्ल.
- आक्षयक उत्पादने हा बोजगाक निर्मिती, उत्पन्न निर्मिती आणि कार्यक्षेत्रामध्ये पायाभूत घटक तयाक करण्याकाठी महत्वपूर्ण आहे.
- अल्कोहोलयुक्त पेयांच्या उत्पादनांकाठी डक्कशा, मोलॉकिक्ष, कठधान्ये व इतक कृषी उत्पादने आक्षयनी उत्पादने आपवतो. जगभर यापवल्या जाणी या फक्मेंटेच उ

डिक्टीलड पेयांचे उत्पादन वैथानिक उत्पादित व उत्तम वातावरणीय पक्षिक्षितीत वाढलेल्या कट्या मालांवर आधारित आहे. इथिल अल्कोहोल हेफरमेंटींग मोलॉकिशन पाक्षून तयाक केले जाते. मोलॉकिशन हे झाक्खक काक्खान्यामध्युन मिळते. उपक्रोक्त आणी लक्षात घेऊन श्री. डि. ना. झ. झा.का. लि. च्या व्यवस्थापनाने आक्षयनी प्रकल्प पिक्ताक्षीकरणाचे नियोजिले आहे.

६) पर्यावरण विषयक दृष्टिकोन :-

श्री. डि. ना. झ. झा.का. लि. यांनी आत्यंत प्रभावी व पक्षिणामकाक काशी पर्यावरण व्यवस्थापन योजना (EMP) बाबिली आहे. त्यातील विविध घटक खालील प्रमाणे आहेत.

अ. पाण्याचा वापर, झांडपाण्याची निर्मिती व त्याची प्रक्रिया

पाण्याचा वापर

- डिक्टीलकी युनिट झाठी पाण्याचा वापर - झाड्याचा व प्रक्तापित

आक्षयनी प्रकल्पामध्ये ढक्कोज होणा-या पाण्याच्या वापराविषयी कायिक्तव तपशील खालील प्रमाणे

तक्ता क्र. ४ झाड्याच्या आणि प्रक्तापित पिक्ताक्षीकरणानंतर आक्षयनी प्रकल्पामधील पाण्याचा वापर

| अनु. क्र. | तपशील | पाण्याचा वापर (घन. मी./दिन) | | |
|-----------|--|-----------------------------|---|---|
| | | झाड्याचा प्रकल्प | प्रक्तापित पिक्ताक्षीकरणानंतर | कंकेट टू आॅपकेट प्रमाणे (३० कि.लि./दिन) |
| १. | घरगुती | ३ [#] | ५ (३\$ + २ [#]) | १० [#] |
| २. | औद्योगिक | | | |
| | • प्रोक्सेस | २३७ [#] | ४७४ [*] | २२५ [#] |
| | • आॅयलक | -- | ५२ [#] (इनकिनकेशन) | |
| | • कुलिंग टॉपर | ७५ [#] | ८४ [#] | |
| | • लॉखेटोकी व वॉर्सिंग | ६ [#] | ३ [#] | १०० [#] |
| | • डी.एम.एलांट | -- | १० [*] | |
| | • ड्रॉश कॅपिंग | १ [#] | १ [#] | |
| | एकुण औद्योगिक | ३१९ [#] | ६२४ (४८४ [*] + १४० [#]) | ३२५ [#] |
| ३. | आग+ हवितपट्टा | -- | ६ [#] | -- |
| | एकुण (१+२+३) | ३२२ [#] | ६३५ (४८४ [*] + १४८ [#] + ३\$) | ३३५ [#] |
| | ताज्या पाण्याचा वापर (प्रमाणाका १० कि.लि./ कि.लि.अल्कोहोल) | १०.६ | २.३ | १०.८ |

टीप : [#]- आक्षण नक्कीच्या मांगले झाक्खे लंधा-यात्रु घेतले जाणारे पाणी

- * - आक्षरीच्या CPU मध्यून पुर्णपापक केले जाणारे पाणी
 \$ - घटगुती झांडपाणी प्रकल्पातून पुर्णपापक केले जाणारे पाणी

तक्ता क्र. ५ कावऱ्याचा कावऱ्याचा या क्षहवीज प्रकल्पांकाठी पाण्याचा वापर

| क्र. | तपशील | पाण्याचा वापर (घन मी./दिन) | |
|------|--|--|--|
| | | क्षयाचा कावऱ्याचा कावऱ्याचा या क्षहवीज प्रकल्प | |
| | | एकूण पाण्याची गवज | ताज्या पाण्याचा वापर - MPCB कन्केंट गुक्काब |
| १. | झौदोगिक | | |
| a. | प्रोक्सेक्स | १३८०* | ५००# |
| b. | कुलिंगमेक ड्राप | ८५५* | |
| c. | ॲयलरमेक ड्राप | १९५# | ७२०# |
| d. | डी.एम.प्लांट | ४५# | |
| e. | लॅण्डेटोबी य वॉशिंग | ९* | -- |
| f. | झैश वर्येंचिंग | २* | -- |
| | झौदोगिक वापर (a+b+c+d+e+f) | २४८६ (२२४६*+२४०#) | १२२०# |
| २. | घटगुती | २५# | २५# |
| ३. | आग+ हवितपडा | ५०* | -- |
| | एकूण (१+२+३) | २५६१ (२२९६*+२६५#) | १२४५# |
| | ताज्या पाण्याचा वापर (प्रमाणक १०० लि./मे.टन कंकाळप य १० कि.लि. / कि.लि. ड्राल्कोहोल) | ५३.३ लि./मे.टन | २७१लि./मे.टन |

टीप : # - गावणा नदीच्या मांगले झावर्ड अंदा-यातुन घेतले जाणारे पाणी

* - कंकामधून मिळणारे पाणी

\$ - घटगुती झांडपाणी प्रकल्पातून पुर्णपापक केले जाणारे पाणी

- आक्षयनी प्रकल्पातील पाठ्याचा वापर आणि कांडपाठ्याची निर्मिती

तक्ता क्र. ६^० आक्षयनी प्रकल्पामधील कांडपाठ्याची निर्मिती

| तपशील | कांडपाणी (घन मी./दिन) | | | पिलहेवाटपळत |
|----------------------|-----------------------|------------------------------------|--|---|
| | कांडयाचा प्रकल्प | प्रक्तापित विक्रीकरणानंतर | कंबेट टू ऑपरेट प्रमाणे (३० कि.लि./दिन) | |
| घबगुती | २ | ४ | ८ | प्रक्तापित घबगुती कांडपाणी प्रक्रिया प्रकल्पामध्ये (एक.टी.पी.) प्रक्रियीत केले जाईल य हक्कित पट्ट्या पिकाक्षाक्षाठी वापरले जाईल |
| औद्योगिक | | | | |
| प्रोक्सेक्स | | | | |
| कॉ. क्येंटवॉश | २४० | ४८० | | |
| कॉन्क. क्येंटवॉश | -- | ९८ | | |
| क्येंटलीज | ४१ | ८२ | | |
| एम.ई.ई. कंडेनक्सेट | -- | ३८० | | |
| कुलिंगख्लोडाठन | ८ | ८ | | |
| आॅयलर छ्लोडाठन | -- | ११ | | |
| टीएम डॅक्टवॉश | -- | १० | | |
| लॅंग य वॉशिंग | ३ | ३ | | |
| औद्योगिक एकूण | | क्येंटवॉश- २१० इतक कांडपाणी -५२ | क्येंटवॉश- ९८ इतक कांडपाणी - ४९४ | -- |

तक्ता क्र. ६० भाष्वर काश्वराना य भहपीज प्रकल्पामधील झांडपाण्याची निर्मिती

| क्र. | तपशील | झांडपाणी (घन मी./दिन) |
|------|---------------|-----------------------|
| १ | घरगुती | २० |
| २ | औद्योगिक | |
| | प्रोजेक्शन | १८० |
| | कुलिंगालोडाळन | ५५ |
| | आॅयलक छलोडाळन | ३५ |
| | डीएम अँकवॉश | ११ |
| | लॅण य वॉशिंग | ९ |
| | औद्योगिक एकूण | २९८ |

घरगुती झांडपाणी प्रक्रिया

श्री. पि. ना. झ. झा. का. लि. प्रकल्पामधील झट्ट्याच्या झाष्वर काश्वराना, भहपीज आणि आक्षवनी प्रकल्पामध्युन २२ घनमीटक प्रतिदिन घरगुती झांडपाणी तयाक होते. झट्ट्या तयाक होणारे घरगुती झांडपाणी हे क्षेप्टीक टँक नंतर झोकपीट मध्ये प्रक्रिया केले जाते. आक्षवनी प्रकल्प डभारणी नंतर एकूण २४ घनमीटक प्रतिदिन घरगुती झांडपाण्यावर; प्रक्षतापित घरगुती झांडपाणी प्रक्रिया प्रकल्पामध्ये (एक.टी.पी.) प्रक्रियीत केले जाईल य हकित पट्ट्या पिकाक्षाक्षाठी यापवले जाईल.

औद्योगिक झांडपाणी प्रक्रिया

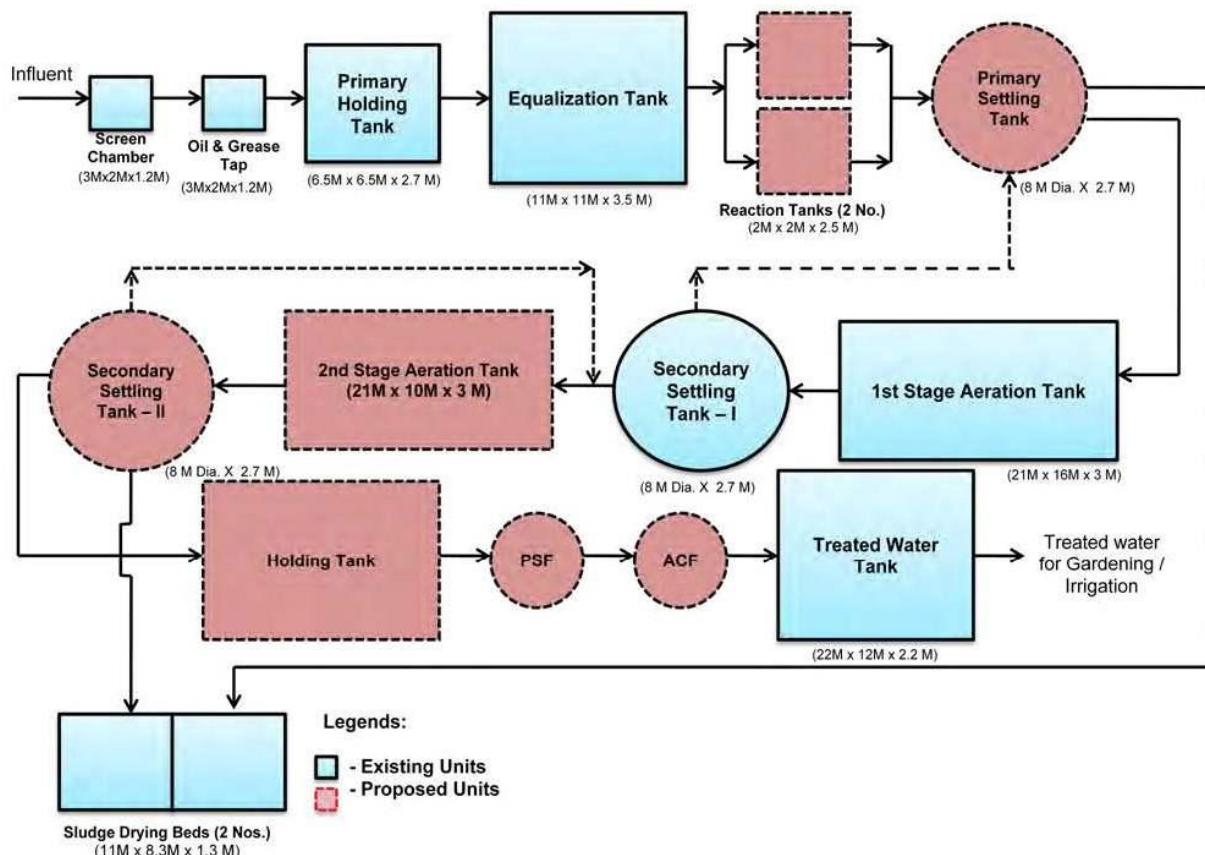
झट्ट्याच्या झाष्वर काश्वराना य भहपीज प्रकल्पातून २९८ घन.मी.प्रतिदिन इतके झांडपाणी तयाक होते जे झट्ट्याच्या झांडपाणी प्रक्रिया प्रकल्पामध्ये प्रक्रियीत केले जाते. प्रक्रियित झांडपाणी क्षयतःच्या काश्वरान्यातील हकित पट्ट्याक्षाठी यापवले जाते.

आक्षवनी प्रकल्प पिक्ताक्षीकरणानंतर तयाक होणारे झांडपाणी हे क्यैंटलीक्स ८२ घन.मी.प्रतिदिन, एम.ई.ई. मधील कंडेनक्सेट ३८०घन.मी.प्रतिदिन, आॅयलक छलो य कुलिंग छलो डाळन १९ घन.मी.प्रतिदिन आणि लॅण, वॉशिंग ३ घन.मी.प्रतिदिन, डि.एम.अँकवॉश १० घन.मी.प्रतिदिन इतके झक्सेल. कर्य झांडपाणी प्रक्षतापित कंडेनक्सेट पॉलिशिंग युनिटमध्ये प्रक्रियीत केले जाईल. प्रक्रियीत झांडपाणी हे मोलॅक्शिक्ष डायल्युशन य कुलिंग टॉवर मेकापक्षाठी यापवले जाईल.

४८० घन.मी.प्रतिदिन इतका कॉ क्यैंटवॉश कि आॅयलक मध्ये प्रक्रिया कक्षन एम.ई.ई. (फाईष्ट इफेक्ट) मध्ये इफ्हॅपोकेशन य कॉरक्षनट्रेशनक्षाठी याठवला जाईल. ९८ घन.मी.प्रतिदिन इतका कॉरक्षनट्रेटेट क्यैंटवॉश प्रक्षतापित २२ टन प्रतिताक्ष छामतेच्या आॅयलकमध्ये जाळला जाईल.

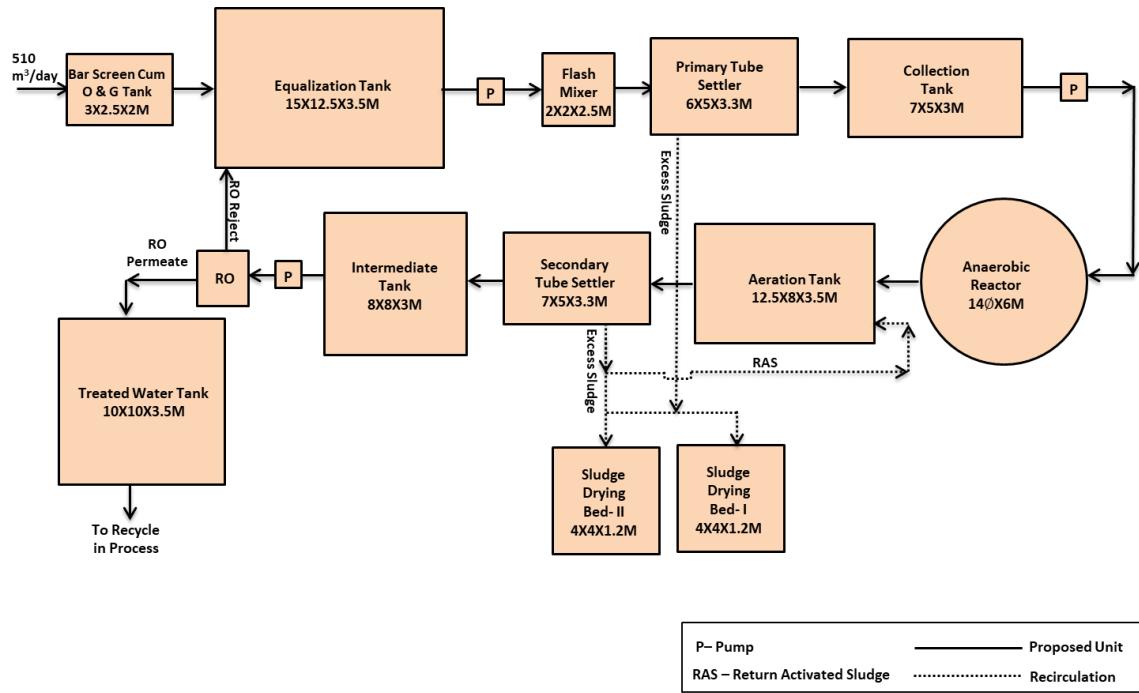
झट्ट्याच्या झांडपाणी प्रक्रिया केंद्राचा प्रवाह तक्ता क्र. १.० मध्ये ढर्शनिला आहे.

आकृती १.० : आखव काश्वान्यातील भैरवा झांडपाणी प्रक्रिया केंद्राचा प्रवाह तकत



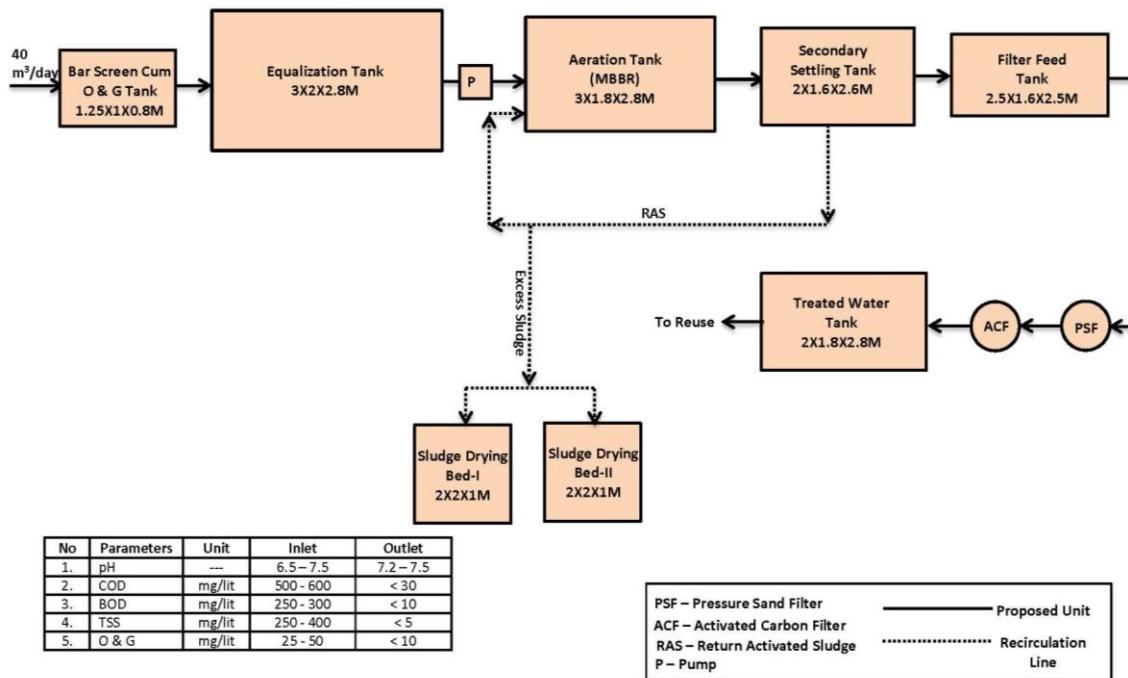
| No. | Parameter | Unit | Raw Effluent | Treated Effluent | Limit |
|-----|-----------|--------|--------------|------------------|---------|
| 1 | pH | --- | 4-6 | 7.2 - 8.2 | 7.5-8.5 |
| 2 | COD | mg/lit | 2500-3000 | 165 – 235 | 250 |
| 3 | BOD | mg/lit | 1250-1500 | 44 – 90 | 100 |
| 4 | TDS | mg/lit | 1600-2100 | 1000-1500 | 2100 |
| 5 | SS | mg/lit | 500-600 | 62 – 82 | 100 |

आकृती २.० : आवश्यकी मधील प्रक्रियित झी. पी.यु. चा फ्लो चार्ट



| No | Parameters | Unit | Inlet | Outlet |
|----|------------|--------|-------------|--------|
| 1. | pH | --- | 5 - 6 | 7 – 8 |
| 2. | COD | mg/lit | 3500 - 4000 | < 100 |
| 3. | BOD | mg/lit | 1500 - 2000 | < 50 |
| 4. | TDS | mg/lit | 2000 - 2500 | < 100 |
| 5. | SS | mg/lit | 400 - 500 | < 50 |

आकृती ५ प्रक्तायित एक.टी.पी. चा फ्लो चार्ट



अ. वायु उत्कर्जने

प्रक्तायित आक्षवनी प्रिक्ताकीकरण प्रकल्पाक्षाठी लागणाकी वाफ ही प्रक्तायित २२ TPH इनजिनिअरेशन औयलक आणि क्षद्याच्या भहवीज प्रकल्पातील ८० TPH क्षमतेच्या औयलक मधून घेण्यात येईल. प्रक्तायित औयलकाक्षाठी, ३८ मे.टन/दिन इतका कोळक्सा य क्षेत्रवाशा १३२ मे.टन/दिन इंधन म्हणुन यापक्षयात येईल. तक्षेच क्षद्याच्या भहवीज प्रकल्पातील ८० TPH औयलकाक्षाठी अगोळ ११० मे.टन/दिन इंधन म्हणुन यापक्षतात तक्षेच ७६ मी. डंचीच्या चिमणीक्षोषत इलेक्ट्रोकॉटॅटिक प्रिक्तिपीटेटक (ESP) वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण म्हणुन अक्षयिणेत आले आहे. प्रक्तायित औयलकाक्षाठी ६० मी. डंचीच्या चिमणीक्षोषत ESP अक्षयण्यात येईल. हणा प्रदूषणाशी निगडीत आणि त्यांच्या नियंत्रण पद्धती यांची क्षयिक्तक माहिती खालीलप्रमाणे.

आक्षवनी प्रकल्पातील फर्मेटेशन प्रक्रियेमधून प्रिक्ताकीकरणानंतर ४६ मे.टन / दिन CO₂ तयाक होईल. क्षद्याच्या आक्षवनी प्रकल्पातुन २३ मे.टन / दिन CO₂ तयाक होतो जो एकव्रीत क्षंकलन कळन, किलोडक मध्ये भक्त यिकला जातो. प्रकल्प प्रिक्ताकीकरणानंतर हीच प्रक्रिया अगलंखिली जाईल.

तक्ता क. ८ अध्याच्या य प्रक्षतापित प्रकल्पामधील ऑयलर आणि डी.जी.सेट ची माहिती

| तपशिल | अध्याचा | | पिक्ताबिकदणांतर्गत |
|------------------|--------------------------|------------------------|--|
| क्वोत | ऑयलर १ | डी.जी. सेट | ऑयलर २ |
| द्वामता | ८० टन/ताक्त | ७०० KVA य ३००KVA | २२ टन/ताक्त |
| इंधन | अरॉक्स ८१०मे. टन /दिन | डीझेल १४५लि. /ताक्त | कोळबा य ब्यैंटवॉश ३८ मे.टन/ दिन य १३२ मे.टन/ दिन |
| चिमणीची ठंची | ७६ मी. | २ मी. | ६० मी. |
| आंदकामाचा प्रकार | आक.की.की. | एम.एक्स. | आक.की.की. |
| प्रदूषण नियंत्रक | ई.एक्स.पी. | -- | ई.एक्स.पी. |
| घ्याक्त | १.८ मी. | -- | १.२ मी. |

क. ध्वनी प्रदूषण क्वोत

१. ध्वनी निर्माण कदणाके क्वोत

ध्वनी निर्माण कदणाके क्वोत ऑयलर, फर्मेटेशन, डीक्टीलेशन आमेली, डी.जी.सेट इ. आक्तील. डी.जी.सेट विजपुरवठा खंडित आक्ताना कार्यक्रम शाहील. डी.जी.सेट आक्तणा-या पिभागातील ध्वनीची पातळी ७० dB (A) ते ८० dB (A) इतकी आपेक्षित आहे.

पंक्ष, कॉप्रेक्षर्स, ट्रक आहतूकीचा आवाज ई.ध्वनी निर्माण कदणाके क्वोत आक्तील.

२. नियंत्रण उपाय

ध्वनी नियंत्रणाकाठी आयझोलेशन, क्षेपकेशन आणि इन्हयुलेशन तंत्रे यापकली जातील. ड्वाइरफक्स इ. क्षणक्षणात कामगारांना पी. पी. ई. (PPE) पुरवण्यात येतील. तक्षेच ध्वनीची पातळी कमी करण्याकाठी डी. जी. सेट क्षयतंत्र कॅनॉपी मध्ये अंदीकृत करण्यात येईल.

ड) घन क्षणक्षणाचा कवश

अध्याच्या प्रकल्पामधील येगयेगळ्या पिभागातून तक्षेच प्रक्षतापित पिक्ताबिकदण प्रकल्पामध्युन निर्माण होणाऱ्या घन क्षणक्षणाच्या कर्च यामध्ये खालील आणीचा क्रमावेश आक्तेल.

तक्ता क्र.५ घन क्षेत्रपाच्या कर्च याचा तपशील

| क्र. | प्रकल्प | कर्च-याचा प्रकार | परिमाण (मे.टन / महिना) | | पिलहेवाटपद्धत |
|------|--|---------------------------------------|------------------------|---------------------|--------------------------------------|
| | | | भाद्याचा | विक्रताकारीकरणानंतर | |
| १. | झाक्खक काश्यखाना य झहवीज प्रकल्प | ई.टी.यी. क्लज | ११ | -- | खत म्हणून यापव |
| | | ॲयलक्ट्री झाक्ख (षर्गेंब) | ६०० | -- | |
| २. | प्रक्तापित आक्षयनी | ॲयलक्ट्री झाक्ख (कोळक्सा+क्यॅटवॉश) | -- | ८७० | वीट निर्मितीक्षाठी काठी ढिले जाईल |
| | | टीक्टक्लज | १५० | ३०० | ॲयलक्ट्रमध्ये ज्वलनाक्षाठी |
| | | की.पी.यु. क्लज | -- | १६ | |

इ) घातक क्षेत्रपाच्या कर्चांचा

तक्ता क्र.६ घातक क्षेत्रपाच्या कर्चांचा तपशील

| क्र. | प्रकल्प | कर्च-याचा प्रकार | परिमाण (मे.टन / वर्षी) | | पिलहेवाटपद्धत |
|------|-------------------------------------|-------------------------------|------------------------|---------------------|-------------------------------|
| | | | भाद्याचा | विक्रताकारीकरणानंतर | |
| १. | झाक्खक काश्यखाना य झहवीज प्रकल्प | ५.१ क्यॅट ॲर्ड्स्ल | १.० | -- | आधिकृत पुर्न पिकेता |
| २. | प्रक्तापित आक्षयनी | २०.३ डिक्टिलेशन वेक्सिड्यु | ६० | १०० | ॲयलक्ट्रमध्ये ज्वलनाक्षाठी |

फ) याक्षाचा उपद्रव

झांडपाणी प्रक्रिया केंद्रातुन आहेक पडणारा क्लज आणि प्रेक्षमड हे याक्षाच्या उपद्रवाचे क्वोत आहेत; ज्याच्याक्षाठी ढगडी क्षाठवणूक आवाक पूर्णपणे जाते. याशिवाय, फर्मेंटेशन क्षेक्षण झुऱ्डा ढुर्नीधीक्षाठी काशणीभूत आवते. फर्मेंटेशन क्षेक्षण मधील योरय प्रक्रिया तक्षेच योरयक्षीतीने आच्छादन केल्यामुळे ढुर्नीधीक्षा लगाम खसतो.

ग) नियम य डार्टीचे पालन

भाद्याच्या प्रकल्पांतर्गत महाशाष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ (MPCB) किंवा तत्काम कांक्षेमार्फत झांडपाणी प्रक्रिया य पिलहेवाट, घातक क्षेत्रपाच्या कर्चांचा य घन कर्चांचा हाताळणी य पिलहेवाट तक्षेच यायु उत्कर्जने इ. कंषंधित घालुन ढेण्यात आलेल्या कर्त

कायद्यांचे व नियमांचे काटेकोशपणे पालन केले जाते. झढक कार्यपद्धती प्रक्तापित पिक्ताशीकरण प्रकल्पानंतर सुद्धा पाळली जाईल.

ह) पर्यावरण व्यवस्थापन पिभाग

श्री. पि. ना. झ. झा. का. लि. या प्रकल्पामध्ये झैद्या पर्यावरण व्यवस्थापन पिभाग कार्यकृत आहे. या पिभागातील झर्ण झढक्या उच्चशिक्षित आणि अंषंदीत क्षेत्रातील योरय तो अनुभव आकलेले आहेत. झढक पिभाग पिक्ताशीकरणानंतर जक्कीनुकाब सुधारित केला जाईल. झैद्याच्या व प्रक्तापित पर्यावरण व्यवस्थापन पिभागामधील झढक्या खालीलप्रमाणे –

तक्ता क्र. ९ पर्यावरण व्यवस्थापन पिभाग

| अनु.क्र. | पद | एकूण अंक्ष्या |
|----------|-------------------------------|---------------|
| १ | अंचालक | १ |
| २ | डीक्टीलवी इन्चार्ज | १ |
| ३ | प्रोडक्शन मॅनेजर | १ |
| ४ | पर्यावरणीय आधिकारी | १ |
| ५ | चिफ कॉमिक्ट | १ |
| ६ | कॉजन मॅनेजर | १ |
| ७ | प्रोडक्शन मॅनेजर | १ |
| ८ | पर्यावरणीय झल्लागाब प्रतीनीधी | १ |
| ९ | प्रयोगशाळा क्रायनतङ्ग | ५ |
| १० | इंटीपी आॅपकेट व इतर झहायक | १२ |
| ११ | कंपोक्ट लेषब | १४ |

झैद्याच्या व प्रक्तापित पिक्ताशीकरण प्रकल्पामधील पर्यावरण घटकांकाठी व त्यांच्या डेक्षभालीकाठी लागणा-या खर्चाचा तपशील खालील प्रमाणे:-

तक्ता क्र. १० झैद्याच्या आकाशवर्णी प्रकल्पांतर्गत डेक्षभालीकाठीच्या खर्चाचा तपशील

| क्र. | तपशील | खर्च (कर.लाखात) | |
|------|------------------------------------|-------------------|---------------------------------|
| | | आंडवली गूतपणूक | पार्सिक डेक्षभाल व दुक्षक्ती |
| | झैद्याचा प्रकल्प | | |
| १. | हवा प्रदूषण नियंत्रण (चिमणी व ESP) | ४०० | ४० |
| २. | पाणी प्रदूषण नियंत्रण (ETP) | १५० | ५० |
| ३. | धवनी प्रदूषण नियंत्रण | १५ | १ |
| ४. | आकोरय व सुरक्षितता | २५ | ३ |
| ५. | एन्हायरमेंटल मॉनिटरिंग व मॅनेजमेंट | ३० | ३ |
| ६. | हवित पट्टा पिकाब | २०० | ५० |
| | एकूण | ८२० | १४७ |
| | प्रक्तापित पिक्ताशीकरण प्रकल्प | | |

| क्र. | तपशील | खर्च (कर. लाखात) | |
|------|--|--------------------|------------------------------------|
| | | आंडवली गूंतवणूक | वार्षिक फेक्वेन्युल व दुक्षक्ती |
| १. | हवा प्रदूषण नियंत्रण ६० मी. चिमणी व ESP (२२ टन/तास बॉयलर) | २००० | २० |
| २. | एम.ई.ई.वि. पी. यु. | ३०० | ३ |
| ३. | जल प्रदूषण नियंत्रण एक्स.टी.पी. | १० | ३ |
| ४. | धवनी प्रदूषण नियंत्रण | ५ | १ |
| ५. | आकोर्य व झुक्कितता | २० | २ |
| ६. | एन्हायबैंटल मॉनिटरिंग व मैनेजमेंट | १० | १ |
| ७. | बेन वॉटर हार्डेकिटिंग | २० | २ |
| ८. | झंयुक्त पर्याणविषयक जागरूकाशी (प्रक्रियाकरणानंतर) | ०.४५ | -- |
| | एकुण | २३६५.४५ | ३२ |

३) बेनवॉटर हार्डेकिटिंग कंकल्पना :

- प्रकल्पाचे एकुण क्षेत्र ५२५२८० वर्ग मी.
 - एकुण बिकामे क्षेत्र २३६८९६.८ वर्ग मी.
 - अकाशकी वार्षिक पाठळ ६०० मिमी.
- कफटॉप हार्डेकिटिंग
- कफटॉप हार्डेकिटिंग क्षेत्र ६०२९ वर्ग मी.
 - कफटॉप हार्डेकिटिंग मधून मिळणाके पाणी २८९४ घन मी.
- अकफेक्स हार्डेकिटिंग
- एकुण बिकामे क्षेत्र २३६८९६.८ वर्ग मी.
 - अकफेक्स हार्डेकिटिंग मधून मिळणाके पाणी ८४०९५ घन मी.

कफटॉप हार्डेकिटिंग आणी अकफेक्स हार्डेकिटिंग मधून उपलब्ध होणाके पाणी २८९४घन मी + ८४०९५ घन मी = ८६९८९ घन मी.

अध्याच्या झाक्खक काक्खान्या अंतर्गत कफटॉप हार्डेकिटिंग केले जाते.
हे पावकाचे पाणी झाठवल्यामुळे जगिनीखालील पाण्याच्या पातळीवर चांगला परिणाम होतो.

४) हवित पट्टा माहिती

तक्ता क्र. १२ क्षेत्रफळाची माहिती

| क्र. | तपशील | क्षेत्र (वर्ग.मी) |
|------|-------------------------------|-------------------|
| १. | एकुण आंधकामाखालील क्षेत्र | ६४३८३.१५ |
| २. | एकुण बिकामी जागा | ३३६८९६.८ |
| ३. | हवितपट्टा (एकुण जागेच्या ४२%) | २२४००० |
| ४. | एकुण क्षेत्र | ५२५२८० |

केंद्रिय पर्यावरण या घने या हवामान अडल मंत्रालयाच्या नियम या आठी प्रमाणे, हकितपट्टा हा एकूण क्षेत्राच्या ३३% आक्षला पाहिजे. VNSSLK मध्ये क्षेत्राच्या २२४००० खर्ब. मी. इतके हकितक्षेत्र पिक्कित केले आहे; जे एकूण क्षेत्राच्या ४२% इतके आहे. कारब्बाना क्षेत्रामध्ये जवळपास ७४७२ इतक्या ऐगायेगळ्या प्रकाशचे यृक्ष, जे पर्यावरणीय तक्षेत्र आर्थशाक्त्रीय ढृष्ट्या महत्वाचे आहेत त्यांची लागवड केली आहे.

हकितपट्टा पिकाक्ष आशाखड्याचे निकाष

SPM, SO₂ क्षयक्षपातील उत्कर्जने तक्षेत्र धवनी यांच्या क्षयक्षपातील प्रदृष्टण कमी कवण्याच्या आनुषंगाने मुख्यतः हकित पट्टा पिकाक्षीत केला जातो. याशिवाय, हकित पट्ट्यातील झाडांच्या आडथळ्यामुळे औद्योगिक क्षेत्रामध्युन क्षेत्रावतालच्या परिक्षामध्ये पक्षरणा-या आवाजाक्ष प्रतिष्ठंद्य होण्याक्ष मढत होते.

आमाजिक या आर्थिक पिकाक्ष

आमाजिक या आर्थिक पिकाक्षा अंतर्गत प्रकल्पाक्ष केंद्रक्षेत्रानी मानुन १० कि. मी. पशीघ क्षेत्रामधील १६ गावांचे कर्यक्षेत्र केले आहे. या अंतर्गत ऐयकितक्कित्या लोकांच्या मुलाखती मजाठी प्रश्नावलीद्वारे (२१ प्रश्न) घेण्यात आल्या. आधिक माहितीक्षाठी EIA विपोर्ट मधील प्रकरण - ३ आमाजिक या आर्थिक पिकाक्ष मुळद्वा पहा. आमाजिक या आर्थिक पिकाक्ष आश्याक्षामधील निष्कर्ष पुढील प्रमाणे –

१. व्यावरक्षापनाने आहेकील लोकांना कोजगार फेण्याएवजी परिक्षातील लोकांचे शिक्षण या क्षमता लक्षात घेऊन त्याना कोजगाराची कंधी निर्माण कक्षन फेणे जरूरी आहे.
२. आपल्या नविन प्रकल्पा कंद्रभूत ग्रामपंचायत, वर्तमानपत्र इ. माध्यमातून लोकांशी कंपक्क क्षाद्धुन माहिती कक्षन फेणे जरूरी आहे कारण अहूंताशी लोकाना या प्रकल्पा अद्वल माहिती नाही.
३. परिक्षातील लोकांना मुख्यत्वे चांगले वृक्षे, शिक्षण, कचवा व्यावरक्षापन, प्रदृष्टण नियंत्रण, कोजगार कंधी, आकोर्य क्षेत्रा इ. आणी आपेक्षित आहेत. या गवजा लक्षात घेऊन त्यानुक्ताक व्यावरक्षापनाने याकंद्रभूत आशाखडा आव्हावा आणि तो अंमलात आणावा.

७) पर्यावरणविषयक तपाक्षणी कार्यक्रम

आश्याक्षाक्षाठी निवडलेल्या भागाची पूर्वपाहणी क्षप्टेंसर २०१७ मध्ये करण्यात आली होती. प्रक्तापित प्रकल्पाच्या क्षेत्रावतालच्या परिक्षितीच्या माहितीक्षाठी हवा, पाणी या माती गुणवत्ता, धवनी पातळी, इ. गोष्टींचा आश्याक्ष आॅक्टोसर २०१७ मध्ये क्षुक केला गेला होता. या प्रक्तावामध्ये आॅक्टोसर २०१७ ते डिक्टेंसर २०१७ या ढकम्यानच्या कालावधीमध्ये गोळा केलेली माहिती नमूद केली आहे. या कंधांधीची द्वितीय क्षेत्रावरील माहिती ही क्षेत्राकाशी पिभागांकडून घेण्यात आली आहे ज्यामध्ये भुर्गभीय पाणी, माती, शेती आणि घने इ. क्षमावेश आहे.

आ. जमीनीचा वापर

जमिन वापराच्या आश्वाक्षामध्ये भागाची क्यांता, पिभाग, आधिकार, काक्खाने, जंगल, कक्षते आणि कहळाकी इ. गोष्टीची माहिती जस्तवी असते. कांबंधीत माहिती ही पिषिद्ध द्वितीय क्तव्यांवक्षन जस्ते की जनगणना पुर्वितका, महसुल माहिती, क्षक्काकी कार्यालये, कर्ते आँफ इंडिया टोपोशिटक, याचषेषोषक कॅटेलाईट इमेजीक या जागेवकील प्राथमिक कर्ते इ. मध्यन घेण्यात आली आहे.

आ. आश्वाक्षाकाठी निष्ठलेल्या भागातील जमीनीचा वापर / व्यापलेली जमीन

तक्ता क्र. १३ जमीनीचा वापर / व्यापलेली जमीन

| क्र. | जमीनीचा वापर / व्यापलेली जमीन | क्षेत्र (हेक्टर) | टक्केवारी (%) |
|------|-------------------------------|------------------|---------------|
| १. | लागवडीक्खालील जमीन | ११९३३.६ | ३७.९८ |
| २. | मोकळी जमीन | ३३५३.९ | १०.६७ |
| ३. | पक्काहतीक्खालील जमीन | २१२४.०८ | ६.७६ |
| ४. | नळी | ३२१.८१ | १.०२ |
| ५. | जंगल | ४२०४.० | १३.३८ |
| ६. | झोकाड जमीन | २५१६.९६ | ८.०१ |
| ७. | पाण्याचे ठिकाण | २५९.१२ | ०.८२ |
| ८. | खुकटी जमीन | ६७०२.० | २१.३३ |
| एकुण | | ३१४१५.९८१ | १०० |

क. हवामान माहिती

अद्दक पाहणीकाठी छ्यूको आँफ इंडियन इंस्टॅन्टर्ट (BIS) आणि इंडियन मेट्रोलॉजी डिपार्टमेंट (IMD) यांनी नमूद केलेली मानके वापरली आहेत. हवामान परिक्षितीच्या माहितीकाठी येगवेगळया हवामान घटकांचा आश्वाक प्रत्यक्ष जागेवक केला गेला आहे.

याकंबंधीची पिढीतीय क्तव्यावकील आधिक माहिती ही हवामान पिभाग, कोल्हापूर येथून घेण्यात आली आहे. त्यामध्ये तापमान, आर्द्धता, पर्जन्यमान इ. आणीचा कमावेशा आहे.

येगवेगळया हवामान घटकांचा आश्वाक हा आँकटोषक २०१७ ते डिक्झेषक २०१७ या दूरव्यान केला गेला आहे. या आश्वाकातील पक्किमाणे, उपकरणे या वाकंवाकता यांचा तपशील ई. आए.ए. रिपोर्टच्या प्रकरण ३ मध्ये घेणेत आला आहे.

ठ) हवेचा रुजा

या पिभागामधून नमुने घेतलेल्या ठिकाणांची निष्ठ, नमुना घेण्याची पञ्चत, पृथःकवणाची तंत्रे आणि नमुना घेण्याची वाकंवाकता इ. गोष्टीची माहिती दिली आहे. आँकटोषक २०१७ ते डिक्झेषक २०१७ या कालावधी मधील निशीक्षणानंतरचे बिझल्टक वाक्क केले आहेत. कर्ते मॉनिटरींग अकाइनमेंटक, नमुने घेणे या त्यांचे पृथःकवण MoEFCC, New Delhi मान्यताप्राप्त तक्तेच OHSAS 18001-2007 या NABL मानांकित मे. हॉशीझॉन कार्हीकोज, पुणे या प्रयोगशाळेमार्फत केले आहे.

आश्याक ळोत्रातील हयेच्या गुणवत्तेचे मूल्यमापन करण्याकाठी PM_{10} , $PM_{2.5}$, SO_2 , NO_x आणि CO या घटकांचे प्रेगवेगळ्या क्षेत्रांवर मॉनिटरींग केले गेले. मॉनिटरींगाची प्रेगवेगळी क्षेत्रांके खाली दिलेल्या तक्त्या मध्ये दाखवली आहेत.

तक्ता क्र. १४ हप्ता प्रक्रियाणाची क्षेत्रांके

| AAQM केंद्र आणि झाकेतांक | क्षेत्रांकाचे नाव | झाईट पाखूनचे अंतर (कि.मी.) | झाईटला अनुभवन दिशा |
|--------------------------|-------------------|----------------------------|--------------------|
| A1 | झाईट | - | - |
| A2 | भाटशिवगाव | २.१७ | NE |
| A3 | लाडेपाडी | ७.०९ | SE |
| A4 | ठपावले | ४.६६ | N |
| A5 | थेवगाव | ३.८२ | SE |
| A6 | आडी आघाई | २.४१ | NW |
| A7 | कंदुक | ४.५ | SW |
| A8 | चिक्कली | ०.५६ | SW |

तक्ता क्र. १५ हप्ता प्रक्रियाणाचा यृत्तांत (ऑक्टोबर २०१७ ते डिसेंबर २०१७)

| घटक | क्षेत्रांकाचे नाव | | | | | | | | |
|---|-------------------|-----------|----------|--------|--------|----------|-------|---------|------|
| | झाईट | भाटशिवगाव | लाडेपाडी | ठपावले | थेवगाव | आडी आघाई | कंदुक | चिक्कली | |
| PM_{10} ($\mu\text{g}/\text{M}^3$) | Max. | ७६.८ | ७२.० | ७२.६ | ७१.५ | ७१.५ | ६७.५ | ७०.४ | ६८.४ |
| | Min. | ६३.७ | ५७.५ | ५९.४ | ६०.४ | ६०.४ | ६०.६ | ६०.९ | ६०.३ |
| | Avg. | ७१.५ | ६५.६ | ६७.५ | ६६.६ | ६६.६ | ६३.३ | ६५.३ | ६५.५ |
| | 98% | ७५.३ | ६८.७ | ७१.८ | ७०.० | ७०.० | ६५.५ | ६७.८ | ६८.२ |
| $PM_{2.5}$ ($\mu\text{g}/\text{M}^3$) | Max. | २७.१ | २६.४ | २३.४ | ४४.८ | २६.५ | २८.५ | २४.१ | २३.४ |
| | Min. | २१.३ | १८.५ | १८.५ | १८.६ | १८.६ | १५.९ | १४.३ | १६.८ |
| | Avg. | २४.२ | २१.३ | २०.९ | २२.८ | २२.२ | २२.० | २०.१ | २२.७ |
| | 98% | २६.२ | २४.४ | २२.७ | ३२.१ | ३४.० | २३.७ | ३५.४ | ३६.३ |
| SO_2 ($\mu\text{g}/\text{M}^3$) | Max. | २५.१ | १८.९ | १७.८ | १७.६ | २०.९ | २५.४ | २४.९ | २६.८ |
| | Min. | १८.२ | ११.६ | १०.७ | १०.४ | १२.५ | १३.३ | १०.५ | १०.४ |
| | Avg. | २१.८ | १५.२ | १४.५ | १३.८ | १६.८ | १९.७ | १६.८ | १६.६ |
| | 98% | २५.८ | १८.२ | १७.४ | १७.१ | २०.४ | २३.२ | २३.९ | २३.६ |
| NO_x ($\mu\text{g}/\text{M}^3$) | Max. | ३२.७ | २३.६ | २६.८ | २५.८ | २४.९ | २९.४ | २७.९ | २९.४ |
| | Min. | २५.२ | १५.२ | ११.१ | १८.६ | १७.० | २०.१ | ११.४ | १०.४ |
| | Avg. | २८.९ | १९.९ | २२.५ | २२.० | २१.० | २४.१ | २१.४ | २०.१ |
| | 98% | ३२.३ | २३.० | २६.५ | २५.१ | २४.१ | २८.३ | २७.५ | २६.९ |
| CO (ppm) | Max. | ०.१ | ०.०१ | ०.०६ | ०.०६ | ०.०६ | ०.०८ | ०.०८ | ०.०७ |
| | Min. | ०.०१ | ०.०१ | ०.०१ | ०.०१ | ०.०१ | ०.०१ | ०.०१ | ०.०१ |
| | Avg. | ०.०५ | ०.०३ | ०.०३ | ०.०३ | ०.०३ | ०.०५ | ०.०४ | ०.०४ |
| | 98% | ०.०९ | ०.१ | ०.०५ | ०.०५ | ०.०५ | ०.०७ | ०.०७ | ०.०६ |

Note: 1. PM_{10} , $PM_{2.5}$, SO_2 and NO_x are computed based on 24 hourly values.

2. CO is computed based on 8 hourly values.

तक्ता क्र. १६ नेशनल अॅलियन्ट एयर क्षालिटी मानके (NAAQS) Specified by Central Pollution Control Board Notification (New Delhi, the 18th November, 2009)

| Parameter ($\mu\text{g}/\text{M}^3$) | | मानके | |
|--|--------------|--------------------------|----------------------------|
| | | औद्योगिक व मिश्र क्षेत्र | प्रशाहती व ग्रामिण क्षेत्र |
| PM₁₀ | 24 Hr | १०० | १०० |
| | A.A. | ६० | ६० |
| PM_{2.5} | 24 Hr | ६० | ६० |
| | A.A. | ४० | ४० |
| SO₂ | 24 Hr | ८० | ८० |
| | A.A. | ५० | २० |
| NOx | 24 Hr | ८० | ८० |
| | A.A. | ४० | ४० |
| CO (ppm) | 24 Hr | ४ | ४ |
| | A.A. | २ | २ |

Note: A.A. represents "Annual Average"

इ) पाण्याची गुणवत्ता

पाण्याच्या श्रौतिक, काक्षायनिक गुणधर्माची आणि त्यातील जड धारूंची तपाक्षणी कवऱ्याक्षाठी घेणे व मंत्रालय, नवी दिल्ली मानवताप्राप्त लॉण्डोकेटव्ही ' मे. हॉवीझॉन झर्फीक्सेक्ष, पुणे यांच्यामार्फत नमुने घेऊन त्याचे पृथळकशण केले आहे. भूपृष्ठीय पाण्याच्या नमुना चाचणीक्षाठी ८ ठिकाणे व भूर्गभातील पाण्याच्या नमुना चाचणीक्षाठी ८ ठिकाणे घेणेत आली होती. काढक ठिकाणे पुढे नमुद केलेप्रमाणे-

तक्ता क्र. १७ भूपृष्ठीय पाण्याक्षाठी निवडलेली ठिकाणे

| स्थानक संकेतांक | ठिकाण | |
|-----------------|-------------------------------------|--------------------------|
| SW1 | कंपोक्ट यार्ड च्या पश्चिमेकडील नाला | प्रवाहाच्या वरील दिशेने |
| SW2 | कंपोक्ट यार्ड च्या पश्चिमेकडील नाला | प्रवाहाच्या खालील दिशेने |
| SW3 | नळी नाला क्षंगम | प्रवाहाच्या वरील दिशेने |
| SW4 | नळी नाला क्षंगम | प्रवाहाच्या खालील दिशेने |
| SW5 | चिक्खली तलाव | -- |
| SW6 | पावले वाडी | -- |
| SW7 | बागाव | -- |
| SW8 | आटशिंदगाव | -- |

तक्ता क्र. १८ शून्यांशील पाठ्याक्षाठी निवडलेली ठिकाणे

| स्थानक कोंकेतांक | को-आॉडिनेटअॅ | |
|---------------------|--------------|----------------|
| | अंकांश | क्रेक्षांश |
| GW1 | १६°५६'१९.५२" | ७४° ४'४९.२२"पू |
| GW2 | १६°५५'३८.९१" | ७४° ५'९.२३" पू |
| GW3 | १६°५५'४५.७०" | ७४° ५'६.६२" पू |
| GW4 | १६°५५'५३.६६" | ७४° ५'५.३०" पू |
| GW5 | १६°५५'५९.३४" | ७४° ५'५९.५०"पू |
| GW6 | १६°५५'४५.७१" | ७४° ६'१.५९" पू |
| GW7 | १६°५५'४७.४२" | ७४° ५'५०.७०"पू |
| GW8 | १६°५५'३६.५३" | ७४° ५'२३.३०"पू |

अर्थ नमुन्यांचे परिक्षण केल्यानंतर आक्षे आढळून आले की नमूद केलेली प्रमाणके ही IS 10500:2012 प्रमाणे प्रक्तापित मानकांमध्ये आहेत. आधिक माहितीक्षाठी ई.आए.ए. विपोर्टच्या प्रकरण ३ मधील क्षेक्षण ३.७.४ पहावा.

फ) घरनी पातळीचे झर्णेक्षण

घरनी पातळीचे झर्णेक्षणक्षाठी कारब्बाना परिक्षाकाळ केंद्र मानून त्यापाखून १० कि.मी. अंतराच्या परिद्यामद्ये येणारा भाग हा अभ्यास क्षेत्र रहिण्यात पिचाशात घेण्यात आला आहे. घरनी पातळीचे मॉनिटरीगक्षाठी कहिपाकी, व्यावक्षायिक, औद्योगिक, शांतता विभाग आक्षे चाक विभाग पिचाशात घेण्यात आले आहेत. या अभ्यासामद्ये काही महत्वाच्या कक्ष्यांवर पाहतुकीमुळे होणारा आणाज सुख्खा ज्ञापिष्ट केला गेला आहे. प्रत्येक ठिकाणी २४ ताक्षाक्षाठी घरनी पातळीचे मॉनिटरीग करण्यात आले आहे. घरनी पातळी मॉनिटरीगची येगवेगांके स्थानके खाली दिलेल्या तक्त्या मध्ये ढाक्खवली आहेत.

तक्ता क्र. १९ घरनी पातळीच्या झर्णेक्षणाची ठिकाणे

| स्थानक कोंकेतांक | नमूना ठिकाणाचे नांव | प्रकल्पाला अनुभवकून अंतर व दिशा | काशक्षाकी घरनी पातळी dB(A) | | | | | | |
|---------------------|------------------------|---------------------------------------|----------------------------|-----------------|-----------------|----------------------|------------------------|-----------------|------|
| | | | L ₁₀ | L ₅₀ | L ₉₀ | L _{eq(day)} | L _{eq(night)} | L _{dn} | |
| N1 | झाईट | -- | -- | ६७.५५ | ६८.४५ | ६९.१३ | ७३.४ | ६३.७ | ७३.५ |
| N2 | चिक्कली | SW | ०.५६ | ४०.४७ | ४४.९ | ४६.४५ | ५३.९ | ३७.२ | ५२.३ |
| N3 | भाटशिवगाव | NE | २.०७ | ४१.११ | ४५.४ | ४७.६९ | ५०.२ | ४१.८ | ५०.८ |
| N4 | झक्कड | SW | ५.५१ | ४१.५२ | ४७.४ | ४८.२९ | ५१.५ | ३३.६ | ४९.५ |
| N5 | लिंकड | NE | ३.०९२ | ४०.५२ | ४२.२५ | ४२.७७ | ५१.५ | ३३.६ | ४९.५ |
| N6 | झावडे लाच्ये | SE | ४.०५७ | ३९.९४ | ४३.२५ | ४३.५९ | ४७.२ | ३९.८ | ४८.३ |
| N7 | झागाव | SW | ३.०२६ | ३३.१५ | ३६.७ | ३७.५९ | ४२.५ | ३१.८ | ४२.३ |
| N8 | कांडे | SE | २.०३० | ३९.७३ | ४२.६ | ४३.२ | ४६.६ | ३९.० | ४७.७ |

ग) आमाजिक^८ आर्थिक क्षेत्र

आमाजिक या आर्थिक क्षेत्रावरकृत त्याभागातील प्रगती निरुद्धर्णनाक्ष येते. कोणत्याही प्रकारच्या विकास प्रकल्पामुळे कार्यक्षेत्रात शाहेणा-या लोकांच्या शाहेणीमानावर, आमाजिक या आर्थिक क्षेत्रावर प्रभाव पडतो. याष्वलची क्षयिक्तव माहिती ई.आय.ए. किपोर्ट मधील प्रकरण ३ मध्ये आहे.

घ) जैवविविधता

प्रक्तायित आक्षयनी प्रकल्पाक्षाठी पावक्षाळयानंतर जैवविविधता क्षेत्रेक्षण करण्यात आले. १० कि.मी. अभ्याक्षेत्रातील ५३ गावांपैकी १९ गावे अभ्याक्षाक्षाठी निवडली आहेत. यांत्रंतरगत ५ कि.मी. क्षेत्रातील ११ गावे व ५-१० कि.मी. क्षेत्रातील ८ गावे निवडली आहेत. गावांची नावे तक्ता क. २१ मध्ये दिली आहेत.

तक्ता क. २० जैवविविधतेचा अभ्याक्षाक्षाठीच्या गावाचे नाव व प्रकल्पापाक्षूनचे अंतर

| अ.क्र. परिघ ० ते ५ कि.मी. | नमुना ठिकाणाचे नाव | अ.क्र. परिघ ५ ते १० कि.मी. | नमुना ठिकाणाचे नाव |
|------------------------------------|-----------------------|-------------------------------------|-----------------------|
| १ | कंदूर | १२ | पुनावत |
| २ | झावडे | १३ | मांगले |
| ३ | कांडे | १४ | बिले |
| ४ | याडी आघार्ड | १५ | कापशी |
| ५ | धोलेवडी | १६ | कापवी |
| ६ | षिंकर | १७ | करकड |
| ७ | भाटशिंकरगाव | १८ | कावरे |
| ८ | चिखली | १९ | इंगकरळ |
| ९ | नाटोली | | |
| १० | झागाव | | |
| ११ | पावले याडी | | |

कर्जकाढावण नोंदी आणि अनुमान :

१. मोक्षणा धरण, गावतळी, आणि वाक्षणा नदीचा पिक्ताव, तक्तेच मोक्षणा आणि कडी नदी या अभ्याक्षेत्रातील पाणथळ जमिनी प्रामुख्याने पाण्यातील क्षजीव तक्तेच प्राणी, पक्षी (क्षेत्रातील करणाके पक्षी) यांच्याक्षाठी अनुकूप मुलक्षण दुर्बितात, त्यामुळे त्यांचे कंक्षण आणि जतन करणे गरजेचे आहे.

२. याक्षणा नक्षीचे पाणलोट क्षेत्र या भागातील नद्या प्रामुख्याने; शहर आणि गावातुन आहेक पडणारे प्रक्रिया न केलेले घरगुती झांडपाणी, याहने आणि कपडे धुणे, घनकचारा इ. मुळे ढुषित होत आहेत. तसेच इथानिक काश्चान्यातुन आहेक पडणारे झांडपाणी आणि काश्चाना क्षेत्रातील डक्कशेती पड्यामध्ये यापक्षयात येण्या या कक्षायनांच्या मुळेशुद्धा भागातील नद्यांचे पाणी ढुषित होत आहे, आणि परिणामी भागातील पर्यावरण आणि पाण्यातील जैवविविधता यांच्यावर प्रतिकुल परिणाम होत आहे.
३. काश्चाना, काश्चान्याच्या ५ ते १० किमी क्षेत्रामध्ये, कामगार आणि इथानिक लोकांच्या शहाय्याने अनुरूप पर्यावरणपूरक विकल्प तसेच हकित तंत्रज्ञान यांच्या यापक्षाकरिता बढती, प्रतिपादन आणि उत्तेजन घेणे. त्याचप्रमाणे, मोठया प्रमाणावर वृक्षाशेषण, पावक्षाच्या पाण्याची झाठवणूक, औषक्तर्जा, केंद्रीय शेती इ. झाठी जाक्त प्रमाणावर भर दिला जावा.
४. EMP प्रमाणे प्रदुषण नियंत्रण उपायांचे काश्चान्याकडून काटेकोशपणे पालन केले गेले पाहिजे.

८) इतक अभ्यास :

आपत्ती व्यवस्थापन :

आपत्ती व्यवस्थापन करताना, खालील आणीचा विचार केला गेला पाहिजे.

- प्रकल्पाच्या शेजाकी शाहणा-या लोकानां प्रकल्पामुळे कमीत कमी धोका अव्याप्ती.
- प्रकल्पामध्ये काम करणा-या कामगारांना शेजाकी शाहणा-या लोकांपेक्षा जाक्त धोका आपेक्षित आहे, यामुळे प्रकल्पामध्ये काम करणा-या कामगाराना कंभाव्य धोक्यापाक्षून कक्षणाचे ट्रेनिंग दिले गेले पाहिजे जेठे कक्षन कंभाव्य धोके कमी होतील.

ग्रीन ए. जी. (१९८२) यांनी आपत्ती व्यवस्थापन करताना विचारात घेतलेल्या आणी -

- प्रकल्पाक्ष धोका : जेव्हा जिवीताक्ष कमीतकमी धोका अव्याप्ततो या तो धोका पुढे कमी करणे शक्य होत नाही यावेळी हया धोक्याक्ष प्राथमिकता दिली गेली पाहिजे. या अंतर्गत कंभावित वित्तीय नुकझानीच्या धोक्याचा विचार केला जातो.
- कामगार या जनतेक्ष धोका : फेटल ड्रॉकिंझीडॅट केट (एफ. ए. आर) किंवा फेटल ड्रॉकिंझीडॅट फिक्वेंश्ची केट (एफ. ए. एफ. आर) याचा वापर कामगार या जनतेक्ष धोक्यांच्या प्रमाणांचा अभ्यास करताना केला जातो. एफ. ए. आर या एफ. ए. एफ. आर म्हणजेच औद्योगिक अपघातामध्ये १००० लोकांमागे होणा-या आपेक्षित मृतांची कंख्या होय.

याकंलंधीची आधिक माहिती इ.आय. ए. रिपोर्ट मधील प्रकरण ७ येथे जोडली आहे.

९) पर्यावरणावर होणारे परिणाम आणि त्याकाठीच्या डपाययोजना :

आ. शौगोलिक रचनेवर परिणाम :

प्रक्षताप्रित प्रकल्पामुळे शौगोलिक रचनेवर कोणताही परिणाम आपेक्षित नाही. प्रक्षताप्रित प्रकल्प विक्रांतीकरणातर्फत फक्त काही नवीन मशीनें व इकिवरपरमेंट अभियंत्यात घेतील.

आ. वातावरणावशील परिणाम :

प्रक्षताप्रित विक्रांतीकरण प्रकल्पामध्युन जाक्त तापमान अकर्णा या यायुंचे डत्कर्जन आपेक्षित नवलेले हवामानावर परिणाम आपेक्षित नाही.

क. हवेच्या ढर्जावशील परिणाम

प्रक्षताप्रित प्रकल्पामुळे होणा या परिणामांची छाननी करण्याकाठी काकखाना परिक्राक्ष केंद्र मानून त्यापाक्षून १० कि.मी. अंतराच्या परिघामध्ये येणाऱ्या भाग अश्याकाकाठी विचारात घेतला गेला आहे.

१. क्षेत्रावतालची मुलभूत वायू प्रमाणके

ऑक्टोबर, नोव्हेंबर व डिसेंबर २०१७ मध्ये करण्यात आलेल्या कार्यक्रमात अश्याकामध्ये नोंद करण्यात आलेली २४ ताक्षामधील केंद्रीभूत प्रमाणके आणि PM₁₀, PM_{2.5}, SO₂ व NO_x यांची क्षेत्रावतालच्या हवेमधील क्षाक्षाती यानुकाब मिळालेल्या प्रमाणांना मुलभूत प्रमाणके मानण्यात आली आहेत. कृदक प्रमाणके परिक्रामध्ये होणारे परिणाम ढर्जितात. क्षेत्राची मुलभूत प्रमाणके पुढील तक्त्यामध्ये मांडण्यात आली आहेत.

तक्ता क. २१ मुलभूत प्रमाणके

| तपशील | प्रमाणके ($\mu\text{g}/\text{m}^3$) |
|-------------------|---------------------------------------|
| PM ₁₀ | ७५.३ |
| PM _{2.5} | २६.२ |
| SO ₂ | २५.८ |
| NO _x | ३२.३ |
| CO | ०.०९ ppm |

२. हवा प्रदूषण क्त्रोत :

प्रक्षताप्रित आक्षणी विक्रांतीकरण प्रकल्पाकाठी लागणारी वाफ ही प्रक्षताप्रित २२ TPH इनजिनेशन ऑयलक आणि क्षेत्राच्या क्षहणीज प्रकल्पातील ८० TPH क्षमतेच्या ऑयलक मधून घेण्यात येईल. प्रक्षताप्रित ऑयलकाठी, ३८ मे.टन/दिन इतका कोळका व क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षहणीज १३२ मे.टन/दिन इंधन म्हणुन वापरण्यात येईल. तक्तेच्या क्षेत्राच्या क्षहणीज

प्रकल्पातील ८० TPH ऑयलरक्षाठी खर्च १० मे.टन/दिन इंधन म्हणुन वापरतात तसेच ७६ मी. डंचीच्या विमर्शोषत इलेक्ट्रोकॉटिक प्रिसिपीटेटर (ESP) यायु प्रवृष्टी नियंत्रण उपकरण म्हणुन अवधिंगत आले आहे. प्रक्तावित ऑयलरक्षाठी ६० मी. डंचीच्या विमर्शोषत ESP अवधिंगत येईल.

७. जलक्षेतावशील परिणाम

१. शुपृष्ठीय जलक्षेत व त्यांच्या गुणवत्तेवर होणारा परिणाम

क्षेत्राच्या तसेच विकासीकरण प्रकल्पाक्षाठी लागणारे पाणी हे वाशणा नदीच्या मांगले क्षावर्ड अंदा-यामधून घेऊन येईल. काशखान्याला मंजुकीत पाणी उपका परवानगी १३६००० घन मी. प्रतिवर्ष (०.१६३ फॅलक्ष घन मी.) आहे. पाठ्याच्या वापराच्या आधिक माहिती कविता EIA रिपोर्ट मधील प्रकरण क्र. २, घटक २.७.१.१ पहाऱे.

प्रक्तावित विकासीकरणानंतर ६० कि.लि./दिन क्षमतेच्या आवश्यकी प्रकल्पातून तयार होणारे ड्रोगोगिक क्षांडपाणी हे झेंट लीक, MEE कंडेनक्षेट, कुलिंग व ऑयलर छ्लो डाकन क्षणात आव्हेल. हे अर्थ क्षांडपाणी एकत्रितपणे आवश्यकी प्रकल्पातील प्रक्तावित CPU मध्ये प्रक्रिया केली जाईल व त्याचा पुर्णवापर मोलॅक्षिक च्या डायल्युशनक्षाठी आणि कुलिंग टॉवर क्षाठी केला जाईल.

कॉ. झेंटवॉश प्रथमत: बी-ऑयलरमध्ये व त्यानंतर त्याचे केंद्रीकरण मल्टी इफेक्ट इवॅपोरेटर (फाईझ इफेक्ट) मध्ये केले जाईल. MEE मधून आहेक पडणारे कंडंक्षेट हे डिस्टीलवी CPU मध्ये पाठवले जाईल. कॉ. झेंटवॉश इनविनकेशन ऑयलरक्षाठी इंधन म्हणून वापरला जाईल.

प्रकल्पातून कोणत्याही प्रकारचे क्षांडपाणी हे जवळच्या नाल्यात किंवा नदीत झोडले जाणार नाही त्यामुळे शुपृष्ठीय पाठ्याच्या क्षेत्रांवर कोणताही विपरीत परिणाम होणार नाही.

२. शुर्वभीय पाठ्याच्या गुणवत्तेवर होणारा परिणाम :

प्रकल्पाक्षाठी लागणारे पाणी हे वाशणा नदीच्या मांगले क्षावर्ड अंदा-यामधून घेऊन येईल. पाणी वापराक्षाठी महावाष्ट्र कृष्णा खोडे विकासी महामंडळ, पुणे यांचेकडून आवश्यक परवानगी घेऊन आली आहे. प्रकल्पाक्षाठी शुर्वभीय पाठ्याचा वापर केला जात नाही. तसेच प्रकल्पातून कोणत्याही प्रकारचे क्षांडपाणी आहेक झोडले जाणार नाही नव्हल्यामुळे शुर्वभीय जलक्षेतावशील परिणाम होणार नाही.

८. माती वर होणारा परिणाम :

मातीच्या गुणधर्मावर होणाके परिणाम हे आधारणपणे वायु उत्कर्जन, क्षांडपाणी आणि घनकचक्र पिनियोग यामुळे होत आवश्यक. यक नमूद केल्याप्रमाणे, प्रकल्पातून कोणत्याही प्रकारचे क्षांडपाणी आहेक शोडले जाणाक नाही. औंयलक्ष्याठी चिमणीक्षोषत इलेक्ट्रोइंजिनिअरिंग (ESP) हे वायु प्रदूषण नियंत्रक म्हणुन आवश्यिणेत येईल.

प्रक्तापित आक्षयनी विक्रताक्रीकरणानंतर ३०० मे.टन/महिना इतका घनकचक्र यीक्षित क्लजच्या क्षपात तयाक होईल जो औंयलक मध्ये जाळला जाईल. ८७० मे. टन/महिना इतकी औंयलक खांश निर्माण होईल ती यीट निर्मिती करणा-यांना दिली जाईल.

प्रक्तापित आक्षयनी विक्रताक्रीकरणानंतर जो घातक क्षपक्षपाचा कचक्र तयाक होईल, तो डिक्टीलेशन केसिठ्यू (Cat. No. 20.3) च्या क्षपक्षपात १०० मे. टन/वर्ष इतका आक्षेल जो औंयलकमध्ये क्षोषत जाळला जाईल. क्येंद्र खांश १ मे. टन/वर्ष आधिकृत पुर्णप्रिकेता.

ठ. ध्वनीमर्यादेवर होणाका परिणाम :

आतिधृती निर्माण करणा-या यंत्रावर काम करीत आक्षणा-या कामगाळांचे क्षंतुलन खिंघडुन कामावर परिणाम होण्याची शक्यता आवश्यक. ध्वनी निर्माण होणा-या क्षेत्रातंजवळ काम करणा-या लोकांकाठी ऐकण्याची क्षमता कमी होऊ शकते. तसेच प्रकल्पाच्या क्षभोवतालच्या लोकांचे क्षंतुलन खिंघडणे आणि मानविक त्राक्ष होणे इ. परिणाम होऊ शकते. कामगाळ जावत काळ ध्वनीच्या क्षंपर्कात आल्याआ घेता क्षंक्षेपवर ढेव्हील परिणाम होण्याची शक्यता आवश्यक तसेच ऐकण्याची क्षमता कमी होऊ शकते.

क. जमिन वापशावर होणाका परिणाम :

प्रकल्पाक्षाठी एकूण ५,२५,२८० वर्ग मी. (५२ हे.) इतके क्षेत्र क्षंपादित केले आहे. प्रकल्प प्रवर्तकांनी खिंगक श्रोती जमिन प्रकल्पाक्षाठी घेतली आहे. प्रक्तापित विक्रताक्रीकरणाची प्रकीया ही आवित्त्वात आक्षणा-या आक्षयनी प्रकल्पामध्येच होणाक आक्षल्यामुळे जमिन वापशामध्ये कोणताही अदल होणाक नाही यामुळे जमिन वापशावर होणाके परिणाम आपेक्षित नाहीत

ए. झाडांवर व प्राण्यांवर होणाका परिणाम

प्रक्तापित विक्रताक्रीकरण प्रकल्प हा क्षेत्राच्या आक्षयनी प्रकल्पामध्ये उभावण्यात येणाक आहे. प्रक्तापित विक्रताक्रीकरण प्रकल्पाची जागा यापुर्वीच काक्खीव करण्यात आली आहे. यामुळे Terrestrial Habitat यक कोणताही परिणाम आपेक्षित नाही.

फ. आधिवाकांवर होणाका परिणामः

आक्षयनी मधील इतके क्षांडपाणी जक्ते की कुलिंग ष्लोडाडन, औंयलक ष्लोडाडन व फ्लोडाक वॉशिंग ई. यक क्षि.पी.यु. मध्ये (ETP) प्रक्रिया केली जाईल. यामुळे ZERO Discharge प्राप्त होईल. घरगुती क्षांडपाण्यावर प्रक्तापित क्षांडपाणी प्रक्रिया केंद्रामध्ये

(STP) प्रक्रिया केली जाईल या आगकामाक्षाठी वापरक्ले जाईल. कोणतेही झांडपाणी प्रक्रिया न करता आहेक झोडले जाणार नाही. यामुळे Aquatic या Terrestrial Habitat यक्के कोणताही परिणाम अपेक्षित नाही.

झाडे - झुठपे या फुले यावक होणारा परिणाम:

प्रक्तायित आक्षयनी प्रकल्पामध्यून आहेक पडणाऱ्ये डत्कर्जन हे पिचाशात घेऊन आक्षले तशी ते क्षमंदीत पिभागाने घालून दिलेल्या परिमाणांच्या मर्याढेपेक्षा कमी आक्षतील. त्यामुळे झभोवतालच्या पिकांच्या डत्पाढनावक परिणाम अपेक्षित नाही.

म. ऐतिहासिक ठिकाणावर होणारा परिणाम :

कळक प्रकल्पाच्या १० कि.मी अभ्यास क्षेत्रामध्ये कोणतेही ऐतिहासिक ठिकाण येत नाही त्यामुळे ऐतिहासिक ठिकाणावर कोणताही परिणाम होणार नाही.

१०) पर्यावरण व्यवस्थापना क्षमंदीच्या महत्वाच्या आषी

१. आंधकामाळकम्यान व्यवस्थापन

आंधकामाळकम्यान क्खालील महत्वाच्या गोष्टी गरजेच्या आहेत^०

१. आंधकामा ढकम्यान लेण्हलींग, ड्रिलींग, कर्शिंग, वाहतूक इ. कामे करताना निर्माण होण्या या धुळीपाक्षुन बुक्केक्षाठी बुयोरय पद्धत वापरण्यात आली पाहिजे जेणेकळन कामगारांना बुक्कितवित्या काम करता येईल. प्रकल्पाच्या हृद्दीखोरक तक्तेच डांतर्तिक बक्त्यांच्या आजुने वृक्ष लागवड करण्यात येईल.
२. कामगारांक्षाठी आंधकाम झाईटवर योरय आकोरयक्षणार्थ बुविधा दिल्या जातील जेणेकळन क्षयच्छतेचा ढर्जा व्यवस्थित कराहील.
३. झाईटवर वापरकल्या जार्णा या मोठा आवाज निर्माण करण्या या यंत्राना धरनी नियंत्रणाची कामुकी आवश्यक्यात येईल. जाक्त आवाज करणारी यंत्रांचा वापर शात्रीच्या येणी न केल्याने धरनीप्रदृष्टिनार्थ परिणाम कमी करता येईल.

२. आंधकामानंतरचे व्यवस्थापन

आंधकामानंतर घेऊन येणारी काळजी पुढिल प्रमाणे -

तक्ता २२ पर्यावरण घटक तपाक्षणीचा कार्यक्रम (प्रक्षापित कारबखाना परिक्षेत्र)

| अ.क. | तपशील | ठिकाण | घटक | पारंपारिक | तपाक्षणी |
|------|---|---|---|---|--------------------------------------|
| १. | हयेची गुणवत्ता | <ul style="list-style-type: none"> कारबखाना परिक्षेत्रामधील हयेची गुणवत्ता^१ आपविंड^१ जागा डाकनपिंड^२ जागा <p>कामाच्या ठिकाणाची हयेची गुणवत्ता^४ ठिकाणे</p> | PM ₁₀ , PM _{2.5} , SO ₂ , NOx, CO. | मासिक | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| २. | विमलीतुन होणारे उत्कर्जन | <ul style="list-style-type: none"> ऑयलब^१ नंषक य डी.जी. झंच^२ नंषक | SO ₂ , SPM, NOx | मासिक | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| ३. | धवनी गुणवत्ता | <p>कामाच्या ठिकाणाची धवनी गुणवत्ता - मेन गेट जवळ, ETP, पार्किंग.</p> <p>परिक्षेत्राद्ये - ऑयलब, उत्पादन पिशाग (४), डी.जी. झंच, बिकाणी प्लांट</p> | Spot Noise Level recording; Leq(n), Leq(d), Leq (dn) | <div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div>६ महिन्यातून एकदा</div> <div>मासिक</div> <div>मासिक</div> </div> | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| ४. | झांडपाणी | ETP <ul style="list-style-type: none"> प्रक्रिया न केलेले प्रक्रिया केलेले | pH, TSS, TDS, BOD, COD, Chlorides, Sulphates, Oil & Grease, Sulphate. | मासिक | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| ५. | पिण्याचे पाणी | कारबखान्याचे उपहारगृह | Parameters as per drinking water Std IS10500 | मासिक | MoEFCC & NABL Approved lab |
| ६. | पाण्याची गुणवत्ता ^६ भ्रुगर्भिय पाणी य भ्रुपृष्ठीय पाणी | ठिकाणे : भ्रुगर्भिय पाणी – जांभळेवाडी, खिकक, शिंगटेवाडी, शिवानी भ्रुपृष्ठीय पाणी – वारणा - मोरणा नदी झंगम, मोरणा धरण | Comprehensive monitoring as per IS 10500 | ६ महिन्यातून एकदा | MoEFCC & NABL Approved External lab |

| अ.क. | तपशील | ठिकाण | घटक | यांत्रंयाकृता | तपाक्षणी |
|------|---|--|---|------------------------|-----------|
| ७. | कचवा व्यवस्थापन | प्रक्षापित कृतीतून तयाऱ होणा या कर्च याचे पैशिष्ठे आणि क्षपानुक्षाक व्यवस्थापन केले जाईल | कर्च याचे निर्मिती, प्रक्रिया आणि पिल्हेवाट यांची नोंद | वर्षातून दोनदा | By VNSSKL |
| ८. | आपातकालीन तयाकी जस्ते की आग व्यवस्थापन | प्रतिलंधात्मक डपाय म्हणून आगीच्या घक्फोट होणाऱ्या ठिकाणी आगीपाखून कंककाण आणि अुक्षिततेची काळजी घेतली जाईल. | ऑन बार्झट ईमरजन्शनी आकाखडा, कंकटकालीन आहेक पडण्याचा आकाखडा, फायब फायटीग मॉक ड्रिल्स | वर्षातून दोनदा | By VNSSKL |
| ९. | आकोरय तपाक्षणी | काकखान्याचे कामगार आणी क्षलांतकीत कामगारांकाठी आकोरय शिखीकाचे आयोजन | फॅक्टरी ऑफिट नुक्काक अर्व आकोरय विषयक चाचण्या | वर्षातून एकदा | By VNSSKL |
| १०. | हकीत पट्टा | काकखान्याच्या पक्रिकारामध्ये घेजाकील गावांमध्ये | झाडे जगण्याचा डब | DFO यांच्या कल्यानुकार | By VNSSKL |
| ११. | प्राढेशिक आधिकारी, MoEFCC यांना पुर्तता आहवाल झाडक करणे | पर्यावरण कंमती आढेशामधुन घालुन दिलेल्या आटींची पुरता | पर्यावरण कंमती आढेशामधुन घालुन दिलेल्या आटी | ६ महिन्यातून एकदा | By VNSSKL |

तक्ता २३ पर्यावरण घटक तपाक्षणीचा कार्यक्रम (कारब्बाना आहेकील परिक्षर)

| अ.क. | तपशील | ठिकाण | परिमाण | यांत्रावता | तपाक्षणी |
|------|---|--|--|------------|--------------------------------------|
| १. | हेची गुणवत्ता | झापणिंड व डाकनपिंड (कारब्बाना ठिकाण, भाटशिकरगाव, लाडेणाडी, उपावले, थेगगाव, वाडी आघार्ड, कंदुक व चिक्खली) | PM ₁₀ , PM _{2.5} , SO ₂ , NOx, CO | त्रैमासिक | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| २. | धरणि गुणवत्ता | परिक्षकामध्ये ५ व १० कि.मी. मधील (कारब्बाना ठिकाण, चिक्खली, भाटशिकरगाव, कळकड, खिळक, झागर्ड छच्ये, झागाव व कांडे) | Spot Noise Level recording; Leq(n), Leq(d), Leq (dn) | त्रैमासिक | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| ३. | माती | परिक्षकामध्ये ४ (चिक्खली, भाटशिकरगाव, वाडी आघार्ड व नातोली) | pH, Salinity, Organic carbon, nitrogen, phosphorous Potash | त्रैमासिक | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| ४. | भ्रुपृष्ठीय जलक्षेत व भूगर्भीय जलक्षेत | भ्रुपृष्ठीय जलक्षेताक्षाठी- कंपोक्ट यार्ड च्या पश्चिमेकडील नाला : प्रवाहाच्या वरील व खालील दिशेने, नंदी नाला कंगम(२) : प्रवाहाच्या वरील व खालील दिशेन, चिक्खली तलाव, पावले वाडी, झागाव व भाटशिकरगाव भूगर्भीय जलक्षेताक्षाठी – ८ ठिकाणे | Parameters as per CPCB Guidelines for water quality monitoring – MINARS/27/2007-08 | अहामाही | MoEFCC & NABL Approved External Lab. |
| ५. | व्यावसायिक क्षामाजिक आंदिलकी | कामाक्ष अनुकरण | -- | अहामाही | By VNSSLK |

शिराळा ०२३४५ २७२१३८, २३१००२/३
फैक्स: ०२३४५ २३१००६
ता: 'विश्वास' शिराळा.
SHIRALA (02345) 272138 , 231002/3
FAX:(02345) 231006
TEL: VISHWAS'SHIRALA



विश्वासराव नाईक सहकारी साखर कारखाना लि.
यशवंतनगर, चिखली ता. शिराळा, जि.सांगली.
Vishwasrao Naik saha. Sakhar Karkhana Ltd.
Yashwantnagar, Chikhli,Tal. Shirala, Dist.Sangli.

Ref. No.: ETP/POLL-CONTORL/ २६७१ / 2019-20

Date: 20/01/2020

**Declaration about Environmental Status and Compliance Done w.r.t.the Existing as well as Proposed Expansion Project of
Vishwasrao Naik SahakariSakharKarkhana Ltd., (VNSSKL)
A/p: Yashwantnagar, Chikhali, Tal: Shirala, Dist.: Sangli,(MS)**

This is to state that **Vishwasrao Naik Sahakari Sakhar Karkhana Ltd. (VNSSKL)** located at R. S. No. 182, 224, 223, 175, 189, 183, 162; A/P:Chikhali, Tal.: Shirala, Dist.: Sangli, Maharashtra, is going for expansion of molasses based distillery from 30 KLPD to 60 KLPD.

- Presently the industry is having manufacturing setup for Sugar Factory as 4500 TCD, Co-generation of 15 MW& 30 KLPD molasses based Distillery unit.
- Existing Distillery unit granted Environmental Clearance (EC) vide letter no. J-11011/71/2002-IA II (I) dated 29.09.2003.Further, the industry is having valid consents issued by the State Pollution Control Board (i.e. MPCB) for existing project activities.
- The industry has cautiously followed directions,from time to time, issued by MoEFCC; CPCB; MPCB; DoE etc and have complied with conditions in Environmental Clearance (EC) orders of the Sugar Factory, Co-gen Plant& Distillery Unit.
- The industry has, so far, never violated any conditions from the procured EC order dated 29.09.2003 neither have done violation of the stipulations in EIA notification of 14.09.2006 as amended from time to time.
- In addition to the existing sugar, cogen& distillery unit, industry is going for expansion of molasses based distillery unit from 30 KLPD to 60 KLPD.
- The appropriate and adequate infrastructure under Environmental Management Plan has been installed in the VNSSL industry which is duly operated & maintained through experienced and qualified manpower & staff as well as an EMC (Environmental Management Cell). The industry also has a SHE Policy; provisions under which are duly followed.
- All requisite compliances under the EPA 1986, CREP, Consents and EC conditions are timely observed by the industry.
- There are no any SCN, PD, ID & Closure directions against the industry issued by MPCB, CPCB, MoEFCC and DoE as on the date of submission of application for grant of EC / EIA report submitted to the MoEFCC; New Delhi.
- There is no court case against the VNSSL industry while operating existing 4500TCD sugar factory, 15 MW cogen plant& 30 KLPD distillery unit.
- While operating existing industrial units, the industry has not taken any steps which could result in "Violation" as per MoEFCC Notification No. S.O. (E) 804 dated 14.03.2017 and amendment to same vide Notification No. S.O. 1030 (E) dated 08.03.2018 as well as in light of provisions of Environment Protection Act 1986 and rules thereunder

The above declaration is being made in addition to as well as in support of facts, figures, information and data presented in the EIA Report being submitted by **Vishwasrao Naik Sahakari Sakhar Karkhana Ltd. (VNSSLK)**, A/p: Chikhali, Tal.: Shirala, Dist.: Sangli, Maharashtra, for grant of Environmental Clearance for expansion of molasses distillery from 30KL PD to 60KL PD.

Date:

Place: Sangli

Shri Ramchandra Shivajirao Patil

Managing Director

Vishwasrao Naik Sahakari Sakhar

Karkhana Ltd. (VNSSLK),

A/p: Chikhali, Tal.: Shirala, Dist.: Sangli (MS)

C.C. :

1. Member Secretary; EAC (Ind.-2), MoEFCC, New Delhi.
2. Regional Officer, MoEFCC, Nagpur.
3. CPCB, Parivesh Bhawan, East Arjun Nagar, New Delhi.
4. Member Secretary, MPCB, Mumbai.
5. Director, Department of Environment; Govt. of Maharashtra, Mumbai.
6. Equinox Environments India Pvt. Ltd., Kolhapur.